लापरवाही

मामला आदिवासी बालक छात्रावास का, सुनवाई के बाद भी जिम्मेदार मौन, आवेदक को नहीं मिला आदेश

सूचना के अधिकार कानून की उड़ रही धज्जियां

अनूपपुर, नवभारत 22 मई। जिले में सूचना के अधिकार अधिनियम के पालन को लेकर प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बनाए गए इस कानून की अनदेखी खुद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किए जाने के आरोप लग रहे हैं।

मामला विकासखंड जैतहरी अंतर्गत शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास चोलना से जुड़ा हुआ है, जहां सूचना मांगने के बावजूद आवेदक को जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।

निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी नहीं दी जानकारी

जानकारी के अनुसार आवेदक प्रदीप कुमार मिश्रा ने 11 सितंबर को लोक सूचना अधिकारी शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास चोलना के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत 30 दिवस के भीतर जानकारी उपलब्ध कराना अनिवार्य है, लेकिन निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी आवेदक को कोई सूचना नहीं दी गई।

प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना

सूचना नहीं मिलने पर आवेदक ने 10 नवंबर 2025 को प्रथम अपीलीय अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर जनजाति कार्य विभाग अनूपपुर के समक्ष प्रथम अपील दायर की।

इसके बाद 10 दिसंबर 2025 को सहायक लोक सूचना अधिकारी के समक्ष सुनवाई निर्धारित की गई थी। बताया गया कि सुनवाई के दौरान शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास चोलना के लोक सूचना अधिकारी उपस्थित नहीं हुए। इसे प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना माना जा रहा है।

सूचना के अधिकार अधिनियम की मंशा पर सवाल

सबसे गंभीर बात यह है कि सुनवाई संपन्न होने के कई महीने बाद भी विभाग द्वारा कोई अंतिम आदेश जारी नहीं किया गया है। आवेदक का आरोप है कि न तो उन्हें मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराई गई और न ही प्रथम अपील पर कोई निर्णय भेजा गया। इससे सूचना के अधिकार अधिनियम की मंशा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग

आम नागरिकों का कहना है कि यदि अपीलीय स्तर पर भी इस प्रकार की उदासीनता बनी रही तो पारदर्शिता और जवाबदेही की व्यवस्था कमजोर पड़ जाएगी। मामले को लेकर अब जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका पर निगाहें टिकी हुई हैं। लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कर सूचना अधिकार कानून का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

समाधान योजना का 29 लाख 81 हजार बिजली उपभोक्ताओं ने लिया लाभ

नवभारत, जबलपुर। मप्र सरकार की विद्युत समाधान योजना में 15 मई तक 29 लाख 81 हजार बिजली उपभोक्ताओं ने सरचार्ज में छूट का लाभ लिया है। पिछले वर्ष 3 नवम्बर को समाधान योजना 2025-26 की शुरुआत हुई थी और यह योजना 15 मई तक लागू थी। मध्यप्रदेश सरकार की विद्युत समाधान योजना 2025-26 में 29 लाख 81 हजार बिजली उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ लिया है। कुल 1497 करोड़ 45 लाख रूपए जमा किए गए हैं, जबकि 473 करोड़ 39 लाख रूपए का सरचार्ज माफ किया गया है। वहीं पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 11 लाख 27 हजार उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लिया है। कंपनी के खाते में 340 करोड़ 8 हजार रूपए जमा हुए, जबकि 99 करोड़ 49 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 8 लाख 91 हजार बकायादार उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 834 करोड़ 55 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है,

अज्ञात वाहन की टक्कर से जंगली सुअर की मौत

पिंजरहा धार के समीप कुरियारी जंगल क्षेत्र की घटना

अनूपपुर, नवभारत 22 मई। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात अज्ञात वाहन की टक्कर से एक नर जंगली सुअर की मौत हो गई। घटना भोलगढ़ गांव स्थित पिंजरहा धार के समीप कुरियारी जंगल क्षेत्र में हुई।

सूचना मिलने पर वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार कुरियारी जंगल से निकलकर एक जंगली सुअर सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि जंगली सुअर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना वन्यजीव संरक्षक शशिधर अग्रवाल को मिलने पर उन्होंने तत्काल वन विभाग को अवगत कराया और स्वयं भी घटनास्थल पहुंचे।

वन विभाग कर रहा मामले की जांच

इसके बाद भोलगढ़ वनरक्षक रोहित उपाध्याय एवं सुरक्षा श्रमिकों की टीम ने मृत जंगली सुअर के शव को वन चौकी भोलगढ़ पहुंचाया। शुक्रवार को पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा शव का पोस्टमार्टम किया गया। इसके उपरांत वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में मृत जंगली सुअर का अंतिम संस्कार किया गया। वन विभाग द्वारा अज्ञात वाहन की तलाश एवं मामले की जांच की जा रही है।

शिक्षकों ने सीखीं नवीन शैक्षणिक रणनीति

सीबीएसई शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कोतमा नवभारत 22 मई। ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय सीबीएसई शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह विशेष प्रशिक्षण सत्र प्रसिद्ध सीबीएसई रिसोर्स पर्सन अनिल कुमार पटनायक के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

दो दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य रूप से दो महत्वपूर्ण विषयों कक्षा प्रबंधन और छात्रों का मनोवैज्ञानिक कल्याण पर केंद्रित था। रिसोर्स पर्सन अनिल कुमार पटनायक ने सत्र की शुरुआत गतिशील आइस-ब्रेकिंग (उत्साहवर्धक) गतिविधियों के साथ की, जिसने सभी प्रतिभागी शिक्षकों को अंत तक सक्रिय रूप

से जोड़े रखा। कार्यशाला के दौरान स्कूल के अनुशासन में सुधार करने, शिक्षक-छात्र संबंधों को सुदृढ़ बनाने और छात्रों के सामाजिक व मानसिक कल्याण को रचनात्मक रूप से बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

आधुनिक टूल्स और नवीन रणनीतियों पर चर्चा

शिक्षकों को आधुनिक शैक्षणिक पद्धतियों से अवगत कराने के लिए विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन, हैंडआउट्स, प्रश्नावली, व्यावहारिक गतिविधियों और संवादात्मक चर्चाओं का सहारा लिया गया। इन सत्रों का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को ऐसे आवश्यक उपकरणों और कौशल से लैस करना था, जिससे वे कक्षा में एक अनुशासित, सकारात्मक और छात्र-अनुकूल शिक्षण वातावरण तैयार कर सकें।

बदनपुर पहाड़ी और दुर्गा नगर में लगी जल चौपाल

नवभारत, जबलपुर। गर्मियों के मौसम में नागरिकों को सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने और पानी से संबंधित शिकायतों के मौके पर ही निराकरण के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर नगर निगम द्वारा वार्डवार जल चौपाल लगाई जा रही है। इसी कड़ी में गुरूवार को जल चौपाल की इस मुहिम को गति देते हुए नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज की उपस्थिति में दुर्गा नगर स्टेशन रोड पर भी जल चौपाल लगाई गई। इस दौरान नगर निगम अध्यक्ष ने स्वयं नागरिकों की समस्याओं को बेहद आत्मीयता से सुना। कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि शहीद गुलाब सिंह वार्ड के अंतर्गत आने वाले बदनपुर पहाड़ी क्षेत्र में जल चौपाल का आयोजन किया गया।

वैज्ञानिकों ने दी खरीफ की उन्नत तकनीक की जानकारी

कोतमा विकासखंड के गांवों में पहुंचा कृषि रथ

कोतमा नवभारत 22 मई। उपसंचालक कृषि अवनीश चतुर्वेदी के निर्देशन में आज विकासखंड कोतमा के अंतर्गत ग्राम पंचायत चांगेरी, कटकोना एवं हररी में 'कृषि रथ' के माध्यम से एक दिवसीय कृषक संगोष्ठी एवं तकनीकी प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों और कृषि वैज्ञानिकों ने तपती धूप में किसानों के बीच पहुंचकर खरीफ फसलों की बुवाई से पूर्व खेतों की तैयारियों को लेकर सारगर्भित जानकारी साझा की। कार्यक्रम में जिला प्रतिनिधि एवं सहायक संचालक कृषि बसंत कुमार माडेर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन जुताई और मिट्टी परीक्षण पर जोर

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आरके सिंह पाटले ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि खरीफ की बोनी से पहले ग्रीष्मकालीन जुताई करना बेहद जरूरी है। इससे जमीन में छिपे हानिकारक कीट और खरपतवार नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने किसानों को सही समय पर उन्नत बीजों का चयन करने की सलाह दी और कहा कि अपने खेतों की उर्वरा शक्ति जानने के लिए मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण जरूर कराएं।

ई-टोकन से खाद बुकिंग का लाइव प्रदर्शन

संगोष्ठी में तकनीक को बढ़ावा देते हुए श्री संतोष पाटीदार ने उपस्थित किसानों को लैपटॉप के माध्यम से 'ई-टोकन द्वारा खाद की अग्रिम बुकिंग' करने की पूरी प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन किया। उन्होंने डिजिटल तकनीकी की बारीकियों को समझाया ताकि किसानों को खाद के लिए परेशान न होना पड़े। वहीं, श्री रविन्द्र विरला ने किसानों को बाजार से सही और प्रमाणित उन्नत किस्म के बीजों का चयन करने के लिए प्रेरित किया।

इनका कहना है

कृषि रथ आया है, खुशियां लाया है, कृषि की तकनीक अपनाना है, कृषि से आय बढ़ाना है। इस नारे के साथ कृषि रथ के संचालन के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे, जिन्होंने कृषि वैज्ञानिकों और अधिकारियों से अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया।

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड कोतमा, जिला अनूपपुर

एक नजर में

सीईओ ने ड्रॉप आउट बच्चों का कराया नामांकन

अनूपपुर, नवभारत। अर्चना कुमारी ने नगर पालिका अनूपपुर के स्लम एरिया का भ्रमण कर शिक्षा से वंचित एवं स्कूल छोड़ चुके बच्चों और उनके अभिभावकों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से स्कूल नहीं जाने के कारण पूछे और अभिभावकों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया। सीईओ ने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है और आर्थिक स्थिति कभी भी पढ़ाई में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए बच्चों का नजदीकी शासकीय स्कूलों में नामांकन कराने तथा उन्हें निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं गणवेश उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने का संकल्प दिलाया और स्कूल प्रबंधन को निर्देशित किया कि नव-नामांकित बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि वे पढ़ाई में पीछे नहीं रहे।

भारतनेट के माध्यम से ग्रामीण भारत में डिजिटल क्रांति ला रहा है बीएसएनएल

अनूपपुर, नवभारत 22 मई। ग्रामीण भारत में डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। भारतनेट परियोजना के माध्यम से बीएसएनएल गांव-गांव तक हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाएं पहुंचाकर डिजिटल इंडिया मिशन को गति दे रहा है। इस पहल के जरिए बीएसएनएल न केवल इंटरनेट सेवाओं का विस्तार कर रहा है, बल्कि स्थानीय उद्यमिता और रोजगार को भी बढ़ावा दे रहा है। बीएसएनएल वर्तमान में देश के 16 राज्यों में भारतनेट परियोजना का संचालन एवं रखरखाव कर रहा है। अब तक लगभग 6.94 लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर बिछाई जा चुकी है तथा 2.18 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है। इसके साथ ही ग्रामीण भारत में 13 लाख से अधिक एफटीटीएच कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। बीएसएनएल द्वारा भारतनेट उद्यमी मॉडल को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में 7,700 से अधिक भारतनेट उद्यमी बीएसएनएल के साथ कार्य कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण युवाओं एवं स्थानीय उद्यमियों को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं।

शिक्षक ड्रॉप आउट बच्चों का स्कूल में कराएं नामांकन

अनूपपुर, नवभारत 22 मई। जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले का कोई भी बच्चा स्कूल में प्रवेश और नामांकन से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से ड्रॉप आउट बच्चों के घर-घर जाकर अभिभावकों से संवाद करने और उन्हें नजदीकी शासकीय विद्यालय में प्रवेश दिलाने पर जोर दिया। बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई, जिसमें एजुकेशन पोर्टल 3.0 के अंतर्गत कक्षा 1, 6 और 9 में विद्यार्थियों के नामांकन की प्रगति की समीक्षा की गई। सीईओ ने सभी विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों को पोर्टल का नियमित अवलोकन कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान जनपद पुष्पराजगढ़ में नामांकन प्रतिशत कम पाए जाने पर सीईओ ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक होने के कारण यहां शिक्षा संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए रिमेडियल क्लास संचालित करने तथा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार विषयवार तैयारी कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही सभी स्कूलों में स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया।

42 रेल कर्मचारी ट्रेन मैनेजर का पदभार करेंगे ग्रहण

रेलवे मजदूर कांग्रेस के प्रयास रंग लाए, 32 कर्मचारी हुए रिलीज

अनूपपुर, नवभारत 22 मई। रेलवे मजदूर कांग्रेस के महामंत्री पीतांबर लक्ष्मीनारायण के निर्देश पर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री, जोनल कार्यकारी अध्यक्ष एवं सीआईसी प्रभारी लक्ष्मण राव तथा अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री राजेश खोपारागड़े के नेतृत्व में मजदूर कांग्रेस बिलासपुर मंडल के शाखा सचिवों के प्रतिनिधिमंडल ने 24 अप्रैल को वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक बिलासपुर विशाल गर्ग से मुलाकात कर महत्वपूर्ण मांग रखी थी।

प्रतिनिधिमंडल ने रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर ने पत्र के माध्यम से मांग की थी कि बिलासपुर मंडल में ट्रैफिक असिस्टेंट (पोर्टर) विभागीय लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर ट्रेन मैनेजर गुड्स (गार्ड) पद के

लिए प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके 42 रेल कर्मचारियों को विभिन्न स्टेशनों से भारमुक्त (रिलीज) कर ट्रेन मैनेजर का पदभार ग्रहण करने की अनुमति प्रदान की जाए।

शेष कर्मचारी 31 मई तक होंगे रिलीज

मजदूर कांग्रेस की इस मांग पर संवेदनशीलता दिखाते हुए वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक विशाल गर्ग ने अपने कार्यालय से आदेश जारी कर 42 कर्मचारियों में से 32 रेल कर्मचारियों को ट्रेन मैनेजर पदभार ग्रहण करने हेतु भारमुक्त कर दिया है। शेष कर्मचारियों को भी 31 मई तक रिलीज किए जाने की जानकारी दी गई है।

प्रमोशन प्राप्त रेल कर्मचारियों में खुशी का माहौल

इस निर्णय से प्रमोशन प्राप्त रेल कर्मचारियों में खुशी का माहौल है। कर्मचारियों ने रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन के सतत प्रयासों से उन्हें वित्तीय नुकसान से बचाते हुए ट्रेन मैनेजर गुड्स का प्रमोशन प्राप्त हुआ है। कर्मचारियों ने इसे रेलवे मजदूर कांग्रेस का ऐतिहासिक कार्य बताया।

ग्रामीण बाजारों में खपाने की थी तैयारी

8 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

अनूपपुर, नवभारत 22 मई। जैतहरी पुलिस ने गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 किलो से अधिक अवैध गांजे के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 8.207 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 56 हजार रुपये बताई जा रही है।

दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी अमर वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम लपटा-निगौरा मोड़ के पास पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान स्टेशन रोड की ओर से दो संदिग्ध व्यक्ति काले रंग के बैग लेकर आते दिखाई दिए। पुलिस वाहन को देखते ही दोनों भागने लगे, जिस पर टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया।

स्थानीय संपर्कों की जांच में जुटी पुलिस

तलाशी के दौरान आरोपियों के बैग से गांजे के पैकेट बरामद हुए। पूछताछ में उनकी पहचान 53 वर्षीय रम्मू चढ़ार और 54 वर्षीय रामदयाल कुम्हार निवासी पाटन थाना क्षेत्र, जिला जबलपुर के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक रम्मू के बैग से 5 पैकेट और रामदयाल के बैग से 3 पैकेट गांजा मिला। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे छत्तीसगढ़ से गांजा खरीदकर लाए थे और जैतहरी सहित आसपास के ग्रामीण बाजारों में ऊंचे दामों पर बेचने की तैयारी में थे।

अरविंद जैन कर्मवीर योद्धा पदक से सम्मानित

अनूपपुर, नवभारत। कोरोना महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर में समाज और प्रशासन के प्रति उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले कोतवाली अनूपपुर में पदस्थ निरीक्षक अरविंद कुमार जैन को मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा कर्मवीर योद्धा पदक से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें कोविड-19 महामारी के दौरान किए गए अथक परिश्रम, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के लिए प्रदान किया गया। सम्मान पत्र में उल्लेख किया गया है कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम एवं उससे उत्पन्न विषम परिस्थितियों के दौरान निरीक्षक अरविंद कुमार जैन ने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण और साहस के साथ किया। महामारी के कठिन समय में उन्होंने प्रशासन और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अपनी सेवाओं से लोगों का विश्वास जीता। मध्यप्रदेश शासन द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्यों और समाज के प्रति समर्पित सेवा भावना को देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया।

अभियान

अमरकंटक में चलाया जा रहा अभियान, 166 प्राचीन पांडुलिपियों को ज्ञान भारतम ऐप में किया जा रहा अपलोड

प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटल संरक्षण का कार्य शुरू

अनूपपुर, नवभारत 22 मई। श्री कल्याण सेवा आश्रम की पुस्तकालय में संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों, ताड़पत्रों एवं दुर्लभ अभिलेखों के डिजिटल संरक्षण का कार्य शुक्रवार से प्रारंभ हो गया।

यह अभियान धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में चलाया जा रहा है, जिसके तहत लगभग 166 प्राचीन पांडुलिपियों का अवलोकन कर उन्हें 'ज्ञान भारतम' ऐप में अपलोड किया जा रहा है। यह कार्य भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान के अंतर्गत किया जा रहा है।

अभियान 15 जून तक संचालित होगा

देशभर में यह अभियान 16 मार्च से 15 जून तक संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य

परिवारों, मंदिरों एवं संस्थाओं में सुरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों को सूचीबद्ध कर उनका डिजिटल संरक्षण सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत पांडुलिपियों को जियो-टैग कर राष्ट्रीय डिजिटल रिपॉजिटरी में सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि भावी पीढ़ियां भी इस अमूल्य धरोहर तक पहुंच बना सकें।

मोबाइल ऐप के माध्यम से स्वयं कर सकेंगे अपलोड

संस्कृति मंत्रालय ने प्राचीन एवं दुर्लभ पांडुलिपियों को डिजिटल स्वरूप में संरक्षित करने के लिए एक विशेष मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इसके माध्यम से आम नागरिक भी अपने पास सुरक्षित पांडुलिपियों की जानकारी सरकार तक पहुंचा सकेंगे। उपयोगकर्ताओं को क्यूआर कोड स्कैन कर पांडुलिपि का विवरण दर्ज करना होगा। यदि किसी पांडुलिपि की स्थिति खराब है, तो मंत्रालय की विशेषज्ञ टीम उसके संरक्षण की व्यवस्था भी करेगी।

75 वर्ष से अधिक पुरानी पांडुलिपियों को प्राथमिकता

इस अभियान में पांडुलिपि धारकों का स्वामित्व पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। ऐप में 23 भारतीय भाषाओं का विकल्प उपलब्ध कराया गया है तथा व्यक्ति, संस्था, नागरिक एवं सर्वेयर जैसी प्रोफाइल के माध्यम से आवेदन किया जा सकेगा। ज्ञान भारतम अभियान के अंतर्गत 75 वर्ष या उससे अधिक पुरानी पांडुलिपियों को प्राथमिकता के आधार पर सूचीबद्ध किया जा रहा है।